भारत सरकार
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5384
05 अप्रैल, 2022 को उत्तर देने के लिए

प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की बिक्री

5384. श्री मितेष पटेल (बकाभाई):
डॉ. निशिकांत दुबेः
श्रीमती शारदा अनिल पटेलः

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की खुदरा बिक्री में वृद्धि की प्रवृत्ति का ब्यौरा क्या है;
(ख) उक्त वर्षों के दौरान उन प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का ब्यौरा क्या है जिनमें खुदरा बिक्री में अधिकतम वृद्धि दर्ज की है;
(ग) प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के मामले में देश के वैश्विक हिस्से का ब्यौरा क्या है;
(घ) देश से निर्यात किए जाने वाले प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की मात्रा कितनी है; और
(ङ) वैश्विक निर्यात में देश के प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का मूल्य और हिस्सा कितना है?

उत्तर

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री
(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय खाद्य प्रसंस्करण सहित विनिर्माण क्षेत्रों पर आंकड़े प्रकाशित करता है। तथापि खुदरा बिक्री के आंकड़े प्रकाशित नहीं किए जाते हैं। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों सहित कृषि-खाद्य के निर्यात में वृद्धि पिछले 3 वर्षों के दौरान 2018-19 से 2020-21 तक 4.18% चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से हुई है।

(ख): 2020-21 को समाप्त पिछले 3 वर्षों में निर्यात में अधिकतम वृद्धि दर्शाने वाले प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, परिष्कृत चीनी / गन्ना चीनी, शीतल पेय, तैयार किए गए/परिरक्षित आलू, गन्ना गुड़, तैयार किए गए/परिरक्षित मूंगफली, श्रीम्प और झींगे आदि थे।

(ग) से (ड.): वैश्विक कृषि-खाद्य निर्यात में भारत से कृषि-खाद्य निर्यात का शेयर वर्ष 2020 में 2.31% था। वर्ष 2020-21 में प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों सहित कुल कृषि-खाद्य निर्यात 38.32 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

******